मूल्य – 5 रु.

Tara

तारांशु

मासिक

फरवरी – मार्च 2021

वर्ष 8, अंक 11, पृ.सं. 20

श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम में एक विशेष कार्यक्रम

"मेरा पीहर – मेरी बेटी"

नवीन ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम''
के निर्माण हेतु योगदान योजना

जब किसी काम को करने में बहुत से हाथ जुड़ जाते हैं तो वो काम आसान तो होता ही है साथ में पवित्र भी हो जाता है। एक पावन कार्य के स्वरूप में तारा संस्थान **''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम''** का निर्माण करने जा रहा है और इसमें आप सबका सहयोग भी मिले तो बेहद खुशी होगी। आपके दान को स्मृति स्वरूप भवन पर आपके नाम या आपकी इच्छानुसार किन्हीं परिजनों के नाम के रूप में अंकित किया जाएगा। आशा है कि छोटी सी ही सही एक आहूति आपकी भी इस भवन के लिए होगी।

भवन निर्माण सौजन्य राशि :

भवन निर्माण सहयोगी ''दधीचि''	रु. 1,00,000/-
भवन निर्माण सहयोगी ''कर्ण''	रु. 51,000/-
भवन निर्माण सहयोगी ''भामाशाह''	रु. 21,000/-

अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नहीं है जितना कि सीखने की इच्छा ना रखना।

''तारा संस्थान, उदयपुर'' राजस्थान रजिस्ट्रीकरण
प्रमाण-पत्र क्रमांक: 31/उदयपुर/2009-10
दिनांक 25 जून, 2009 द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

संरक्षक मण्डल

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
दिल्ली

श्रीमती दीपा - श्री ओमप्रकाश मल्होत्रा
फरीदाबाद

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
दिल्ली

श्री ओ.सी. जैन
रतलाम (म.प्र.)

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
उदयपुर

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुण सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
नवीन ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम'' के निर्माण हेतु योगदान योजना	02
अनुक्रमणिका	03
लेख : 1 चलती हुई जिन्दगी	04
''श्री सचिन भाटिया आई हॉस्पीटल'' का नामकरण	05
कार्यक्रम ''मेरा पीहर - मेरी बेटी'' : एक फोटो फीचर	06-10
श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर के नए आवासी	11
ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम निर्माण की प्रगति रिपोर्ट	12
तारा नेत्रालय	13
तृप्ति योजना / गौरी योजना	14
हमारे भामाशाह / हार्दिक श्रद्धांजलि	15
न्यूज ब्रीफ	16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स	17
धन्यवाद / अभिनन्दन	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा
श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

चलती हुई जिन्दगी

आज से 8–10 महीने पहले ऐसा लग रहा था कि ना जाने अब क्या होगा? हर तरफ नकारात्मक खबरें, निराशा, तकलीफें ऐसा लगने लगा कि मानो जिन्दगी रुक गई हो। 2021 शुरू हुआ तो एकदम से जैसे नाटक में दृश्य बदलते हैं वैसा हो गया। कोरोना थमने लगा, वैक्सीन भी आ गई लेकिन वैक्सीन तो थोड़े से लोगों को लगी पर उसका असर लम्बा हुआ। पता नहीं क्या हुआ पर शायद कोरोना को लगा कि अब मेरा अंत ज्यादा दूर नहीं, तो उसने अपने आपको समेट लिया और हमारी जिन्दगी के पर उग आए, हम भी उड़ने को तैयार होने लगे। कभी–कभी लगता है मनुष्य को गुरुर ना हो जाए इसलिए ईश्वर अपना एहसास कराता है कि तुम जितना सोचते हो उससे परे भी कुछ हो सकता है।

2011 में तारा संस्थान ने जब काम करना शुरू किया और हमने लगातार 3 साल तक नये हॉस्पीटल खोले तो मुझे थोड़ा डर लगता था, मेरा और कल्पना जी का मतभेद रहता था। मैं कहता कि यदि कोई ऐसी परिस्थिति आ जाए कि दान आना एकदम बंद हो जाए तो क्या करेंगे। इस तर्क को बल देने के लिए मैं युद्ध की स्थिति का उदाहरण देता था। कल्पना जी ने कहा कि मान लो तनख्वाह देने के पैसे ना हुए तो हम एक दो अस्पताल कुछ समय के लिए बंद कर देंगे लेकिन जब तक दान आ रहा है और हममें ताकत है तब तक कुछ जगहों पर नये अस्पताल खोलकर अधिक से अधिक लोगों की आँखों में ज्योति तो लाएँगे ही।

दान के हिसाब से लॉकडाउन युद्ध से भी बदतर परिस्थिति थी लेकिन इस समय को हमने पार पा लिया और हाँ, इस हम मैं आप जो लोग तारा को सहयोग देते हैं वो सबसे पहले हैं। क्योंकि विषमतम परिस्थिति में भी हमने कोई अस्पताल बंद नहीं किया और ना ही किन्हीं को इसलिए काम से हटाया कि सैलेरी के पैसे नहीं हैं। थोड़ा मानदेय में कटौती जरूर की लेकिन वो भी कुछ महीनों के लिए। आप लोगों का फिर धन्यवाद कि आपने सपोर्ट किया। तभी तारा चलती रही। आप कह सकते हैं कि तारांशु के पिछले दो तीन अंकों से हम धन्यवाद दे तो रहे हैं पर मन में भावनाएँ इतनी है कि हम तारांशु के अगले एक दो अंकों में भी आपको धन्यवाद दें, तो भी कम है। आप सबके दिए दान से न सिर्फ तारा की गतिविधियाँ चलती रही बल्कि इन सबको चलाने वाले 300–400 घर भी चलते रहे फिर वे चाहे डॉक्टर हों या सफाईकर्मी। सभी को ये बोध हो या ना हो हमें ये पता है कि तारा के वजूद को बनाए रखने में आप सबका योगदान है जिन्होंने छोटा बड़ा दान दिया और लगातार देते रहे और दे भी रहे हैं।

अब जब जिन्दगी चलने लगी तो आँखों के ऑपरेशन के रोगियों के हमारे तारा नेत्रालयों में बाढ़ सी आ गई है। ये लेख लिखे जाने तक उदयपुर में ही 850 से ज्यादा रोगी वैटिंग में हैं। यानी आज आँख दिखाने आए रोगी को कम से कम अगले दो महीने तक ऑपरेशन का इंतजार करना होगा पर जिनके अर्जेंट होता है उनका तुरंत ऑपरेशन कर रहे हैं।

ऐसे ही रोगियों का मेला सारे अस्पतालों में लग रहा है और आप और हम मिलकर खुश हो सकते हैं कि ईश्वर ये सौभाग्य हमें दे रहा कि ऐसे लोगों को नेत्र ज्योति दे पा रहे हैं जिन्हें बेहद बेहद जरूरत है। आपको यदि समय मिले तो अपने आस–पास के तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद एवं लोनी) जरूर जाइयेगा, दिल को सुकून मिलेगा कि आप भी एक नेक काम में सहभागी बनें है।

कुछ–कुछ आई कैम्प भी अब लग रहे हैं, हमें खुशी है कि वो सभी बुजुर्ग जो इंतजार कर रहे थे आँखें बनवाने का और अस्पताल आ नहीं सकते थे अब कैम्पों में उनके इलाके में ही जाँच हो जाएगी।

वृद्धाश्रम में भी अब दानदाताओं की चहत–पहल होने लगी है। उदयपुर के ही श्री हनुमान प्रसाद जी ने श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में पानी पूड़ी और चाट की लारी भेज दी और हमारे बुजुर्गों ने चटखारे लेकर खाया।

ट्रेन, बस, हवाई जहाज भी चल पड़े हैं तो आप लोग भी उदयपुर आ जाएं कुछ दानदाताओं ने तो छोटे–छोटे ग्रुप में टिकिट भी करा लिए हैं, हमें भी बहुत इच्छा है कि आप और हम सब मिलकर बैठे और ढेर सारी गप्पे लगायें।

आदर सहित....

– दीपेश मित्तल

जिसके पास धैर्य है वह जो चाहे वो पा सकता है।

"श्री सचिन भाटिया आई हॉस्पीटल" का नामकरण

स्व. श्री सचिन भाटिया

श्रीमती लता भाटिया

श्री लक्ष्मण दास भाटिया

दिनांक 18 जनवरी, 2021 को तारा नेत्रालय, उदयपुर का नामकरण श्रीमती लता भाटिया धर्मपत्नी श्री लक्ष्मण दास जी भाटिया के पुत्र (स्वर्गीय) श्री सचिन भाटिया की स्मृति में उनके नाम पर "**श्री सचिन भाटिया आई हॉस्पीटल**" अंतर्गत तारा नेत्रालय, उदयपुर रखा गया। मुम्बईवासी भाटिया दम्पति लम्बे अरसे से तारा संस्थान के विभिन्न सेवाभावी प्रकल्पों से जुड़े हुए हैं। "श्री सचिन भाटिया आई हॉस्पिटल" का पूजा–हवन आदि के साथ विधिवत नामकरण समारोह आयोजित किया गया जिसका उदघाटन श्रीमती कमला अग्रवाल धर्मपत्नी श्री कैलाश मानव, (संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर) के कर कमलों द्वारा किया। उपरोक्त समारोह में समस्त तारा संस्थान परिवार उपस्थित था।

कार्यक्रम ''मेरा पीहर - मेरी बेटी'' : एक फोटो फीचर

तारा संस्थान संचालित आनन्द वृद्धाश्रमों में समय–समय पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित होती रहती हैं। जैसे–अनेक दानदाताओं द्वारा स्वयं उपस्थिति होकर भोजन परोसना, वार–त्योहार मनाना, अनेक सामाजिक संगठनों का वृद्धजनों से मिलकर कुछ क्रिया–कलाप करना, स्कूल–कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा आशीर्वाद लेने आना आदि।

इन गतिविधियों से न सिर्फ बुजुर्ग सक्रिय रहते हैं बल्कि उनमें ऊर्जा का भी संचार होता है। इसके अतिरिक्त मनोरंजन से उनका मन लगा रहता है एवं वे निष्क्रिय जीवन से बचे रहते हैं।

इसी प्रकार की एक विशेष गतिविधि ''मेरा पीहर–मेरी बेटी'' का दि. 4 फरवरी, 2021 को आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में तारा संस्थान की गौरी योजना के अन्तर्गत लाभांवित विधवाओं एवं उनके बच्चे आनन्द वृद्धाश्रम रूपी पीहर में बुजुर्गों से मिलने आई और उन्होंने बुजुर्ग रूपी माता–पिताओं से आशीर्वाद लेकर उनके दीर्घायु होने की कामना की। इसके अतिरिक्त उन्होंने बुजुर्गों के साथ अनेक गतिविधियों में भाग लेकर पूरा दिन उनके साथ बिताया।

आइए इस फोटो स्टोरी के माध्यम से देखते हैं हमारी गौरी योजना से लाभांवित पुत्रियों के रूप में इन्होंने किस प्रकार वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ सुन्दर से पल बिताएँ जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएँ, खेल व नृत्य संगीत आदि शामिल थे :

आगमन व आशीर्वाद

विधवा महिलाओं व उनके बच्चों ने वृद्धाश्रम में आते ही बुजुर्ग रूपी माता-पिताओं के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया

बुजुर्गों से मिलकर उनके दीर्घायु की कामना करती खुश महिलाएँ व बच्चे

नाश्ते का कार्यक्रम

तत्पश्चात बुजुर्गों ने विधवा महिलाओं व उनके बच्चों को प्रेमपूर्वक नाश्ता परोसा,
देखिए कुछ झलकियाँ :

फायदा कमाने के लिए न्योते की जरूरत नहीं होती।

विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

प्रतिभागियों की दो टीमें बनाई गई

पर्स में पति का फोटो

साड़ी प्रतियोगिता

गीत - संगीत व नृत्य का आनन्द

भेंट, पुरस्कार व विदाई

बच्चों ने भी उत्साह पूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया

पुरस्कार व भेंट पाकर प्रफुल्लित बच्चे

बुजुर्गों ने महिलाओं को साड़ियाँ, कम्बल, शॉल व कुछ नकद देकरभावपूर्ण विदाई दी।

तीन चीजें ज्यादा देर तक नहीं छुप सकती, सूरज, चंद्रमा और सत्य।

श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर के नए आवासी :

आपका परिवार खूब फले-फूले, उनकी लम्बी उम्र होवे : श्रीमती बीना शर्मा

श्रीमती बीना शर्मा (दाएँ) अपनी एक वृद्ध सहेली के साथ

श्रीमती बीना शर्मा अभी लगभग 66 वर्ष की है, उनके पति की लगभग 17 वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई थी। इनका एक पुत्र था उसकी भी कोई 10 साल पहले 32 वर्ष की उम्र में बीमारी से मृत्यु हो गई। उनकी एक लड़की है जो कि अपने पति के साथ सूरत में रहती है। बीना जी 60 वर्ष की उम्र में आंगनवाड़ी से रिटायर हुई। बीना जी के पास रिटायर होने के पश्चात् कोई काम नहीं बचा तो अकेले से एक छोटे किराए के मकान में रहती थी। पति तो पहले से ही नहीं थे, पुत्र की मृत्यु हो चुकी थी और लड़की ससुराल में थी तो बीना जी अकेली पड़ गई और थोड़ी परेशान हो गई। एक दिन पड़ोस में बैठे बैठे रूआसी होकर बात कर रही थी कि अकेली हो गई हूँ, नौकरी नहीं रही है, पुत्र की भी मृत्यु हो चुकी है लड़की की शादी हो चुकी है क्या करूँ, तो उधर से ही एक अन्य स्त्री निकली और कहा कि अकेलेपन से छुटकारा पाने के लिए क्यों नहीं मेरे साथ बाजार में सब्जी बेचो तो इस तरह बीना जी लगभग 6 साल तक यानी 66 की उम्र तक कार्य में व्यस्त रहीं हालांकि उनकी बेटी और जमाई उनसे कभी कभार मिलने आते हैं और एक–दो दिन रहकर चले जाते हैं लेकिन उनकी भी एक मजबूरी है, बेटी स्वयं मिर्गी की बीमारी से पीड़ित है तो जमाई बीना जी को भी अपने साथ नहीं रख पाते। यह मजबूरी बीना जी भी समझते हैं कि जमाई अकेले किस–किस को संभालेंगे। चूंकि बीना जी आंगनवाड़ी में नौकरी करती थी तो पढ़ी–लिखी होने के कारण उन्हें यह तो पता था कि तारा संस्थान नामक एक संस्था है जो बुजुर्गों के लिए आश्रम चलाती हैं तो अब इस उम्र में उन्होंने संपर्क करके वहां पर प्रवेश ले लिया। वृद्धाश्रम में आकर बीना जी बड़ी खुश हैं उन्हें अकेलापन नहीं सताता है। अपने साथी वृद्धजनों के साथ हंसी खुशी में ही पूरा दिन निकल जाता है। इसके अतिरिक्त उन्हें हर चीज जैसे खाना–पीना वगैरा बहुत ही समय पर मिलता है जो कि अपने घर पर भी इतने ठीक समय पर नहीं मिलता था। जब बीना जी को बताया गया कि यह वृद्धाश्रम में और सब सुविधाएँ दानदाताओं के सहयोग से चलती है तो बीना जी ने तारा संस्थान के दानदाताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि उनके परिवार खूब फले–फूले, उनकी खूब लंबी उम्र हो जिनके कारण वह आज श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद आश्रम में बड़े ही आनंद से अपना बुढ़ापा काट रही हैं।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	3500 रु. (एक समय)

तारा संस्थान उदयपुर के नवीन ओमदीप आनंद वृद्धाश्रम निर्माण की प्रगति रिपोर्ट

दिनांक 11 जून, 2020 को भूमि पूजन के साथ ही प्रस्तावित नवीन ओमदीप आनंद वृद्धाश्रम के निर्माण में उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है। सर्वप्रथम भूमि पूजन उसके पश्चात् नींव डालना और इसी प्रकार पिलर, छत भराई आदि के कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। नीचे के फोटो में देखिए कि अब तक इस भवन के निर्माण में कितनी प्रगति हुई है।

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

वृद्धजन सहयोगी "शांति" रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति" रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था" रु. 21,000/-

(आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।)

भगवान दानदाताओं को खुश रखें : श्रीमती राजकुंवर

लगभग 55 वर्षीया राजकुंवर को पिछले चार–पांच महीने से घरेलू कार्य करने में काफी परेशानी आ रही थी। घरेलू कार्य जैसे गेहूं बीनते समय कंकड़ नहीं दिखना, सुई में धागा नहीं डाल पाना, आंखों में जलन और नहीं के बराबर दिखाई देना। तो वह बड़ी परेशान हो गई। उनके परिवार में कोई ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं था लेकिन गांव के कुछ व्यक्ति उदयपुर शहर में नौकरी करते हैं तो उन्होंने बताया कि उन्हें किसी अन्य के पास जाने की आवश्यकता नहीं है। तारा नेत्रालय, उदयपुर एक बहुत अच्छा हॉस्पिटल है। वहां बहुत कुशलता के साथ आंखों के अच्छे से ऑपरेशन होते हैं और वो भी बिल्कुल मुफ्त में तो उनको वहां जाना चाहिये। राज कुंवर उनकी बात मान कर सीधे तारा नेत्रालय उदयपुर चली आई।

यहां उनकी जांच आदि के पश्चात् ऑपरेशन की तारीख तय कर भर्ती कर दिया गया। ऑपरेशन के पहले हमने उनसे बात की तो उन्होंने बताया कि उन्हें आशा है कि यहां पर अच्छा इलाज होगा, ऑपरेशन अच्छा हो जाएगा।

ऑपरेशन के पश्चात् अगले दिन जब हमने उनसे बात की तो वह बड़ी खुश लग रही थी। राज कुंवर ने बताया कि उनकी आंखों में अब पहले से कहीं बेहतर दिखाई दे रहा है अच्छा सा ऑपरेशन हो गया है। यहाँ दो दिन किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई खाना–पीना, वार्ड में रहने आदि की व्यवस्था अति उत्तम थी, उन्हें किसी प्रकार के खर्चे की आवश्यकता ही नहीं पड़ी।

जब उन्हें यह बताया गया की सारी निःशुल्क व्यवस्थाएं दानदाताओं के परोपकार से संपन्न होती हैं और उनको वह किस प्रकार से धन्यवाद देना चाहेंगे तो राज कुंवर ने उत्तर दिया कि भगवान उनको खुश रखे जिन्होंने हमारी खुशियां लौटाई हैं। बहुत–बहुत धन्यवाद, आपके परोपकार एवं दान के लिए।

रेटिना (आँखों के पर्दे) की जाँच का निःशुल्क जाँच शिविर

हम माह के प्रथम सप्ताह में तारा नेत्रालय (श्री सचिन भाटिया आई हॉस्पीटल) उदयपुर में रेटिना (आँखों के पर्दे) का निःशुल्क जाँच शिविर रखा रखा जाता है जिसमें ज़रुरतमंद लोगों को अनुभवी विशेषज्ञ द्वारा निःशुल्क जाँच कर परामर्श दिया जाता है। कोई भी सज्जन जो आँखों के पर्दे की समस्याओं से पीड़ित है वह निम्न नंबर पर संपर्क कर सकते हैं : **95493 99993, 96493 99993**

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन 51000 रु.	09 ऑपरेशन 27000 रु.	06 ऑपरेशन 18000 रु.	03 ऑपरेशन 9000 रु.	01 ऑपरेशन 3000 रु.

तृप्ति योजना :

हम दोनों दिव्यांग हैं कृपया जीवन भर मदद करें : श्री डूंगा राम व देवली जी

श्री डूंगा जी व उनकी पत्नी देवली जन्म से ही एक पैर से दिव्यांग हैं, उनके कोई संतान नहीं है, माता–पिता गुज़र चुके हैं। अब ये दोनों ही अकेले हैं। एक टूटी–फूटी छोटी सी झोपड़ी में रहते हैं। कमाई के नाम पर कुछ खास नहीं है : जरा सी खेती लायक जमीन एवं किराणा की दुकान खोल रखी है, वो भी ढंग से नहीं चलती है। दिव्यांग होने की वजह से दोनों ही मजदूरी नहीं कर सकते। झोपड़ी की स्थिति खराब है, छत पर प्लास्टिक शीट डाली हुई जिस वजह से बारिश में पानी टपकता रहता, बड़ी मुश्किल से जीवन जी रहे हैं। कभी–कभी एक समय के खाने से ही संतोष करना पड़ता है। यदि दोनों में से कोई बीमार हो जाए तो अस्पताल दवाई आदि हेतु पैसे उधार लेने पड़ते है। डूंगा व देवली की ऐसी दुर्दशा देखकर तारा संस्थान ने उन्हें अपनी तृप्ति योजना के अन्तर्गत मासिक राशन व 300 रु. नकद उनके द्वार सीधे पहुँचाना कर दिया। सहायता पाकर डूंगा जी कहते हैं कि अब उनकी तकलीफ बिलकुल खत्म तो नहीं हुई लेकिन घट कर आधी रह गई है अतएव काफी राहत मिली है। जब उन्हें मालूम चला कि उनको यह सारी सहायता तारा संस्थान के दानदाताओं के सहयोग से हो रही है तो डूंगा जी व देवली ने बहुत सा आभार जताते हुए कहा कि वे दोनों दानदाताओं को धन्यवाद देते हैं एवं प्रार्थना करते हैं कि उन्हें यह सहायता जीवित रहने तक मिलती रहे।

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता) 01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

गौरी योजना :

बच्चे बड़े होने तक कृपा जारी रखें : संतोष कुंवर

जीवन में जब तक अच्छा चल रहा है तब तक ठीक है लेकिन कल क्या होगा इसका कोई पता नहीं। कई बार सोच से परे भी ऐसी ऐसी बातें हो जाती हैं। संतोष कुंवर के पति एक दिन सुबह सुबह खेत पर गए थे और वहां एक ऐसा हादसा हो गया। कुछ चुनाई करते–करते गिर पड़े। बड़े अस्पताल उदयपुर में ले गए, वहां से भी कोई फायदा नहीं हुआ तो अन्य जगहों पर दिखाया लेकिन कुछ दिनों बाद उनके पति की मृत्यु हो गई। यह बात कोई 8–10 वर्ष पहले की है। संतोष कुंवर चार छोटे–छोटे बच्चों के साथ अकेली पड़ गई। उन्होंने सोचा भी नहीं था कि अचानक ऐसा मुसीबतों का पहाड़ सिर पर आ गिरेगा। उनकी मां जब तक उनका साथ दे रही थी तब तक फिर भी जैसे–तैसे काम चल रहा था लेकिन उनकी माता का सहारा भी उनके सिर से उठ गया तो फिर सारी जिम्मेदारियाँ संतोष पर आ गई। इनके पीहर में अब कोई नहीं बचा था। संतोष को अपने छोटे–छोटे बच्चों को पालने पोसने और उनकी पढ़ाई की चिंता खाने लगी। खेत गिरवी रखे थे, खाने को राशन समय पर नहीं मिलता था, बच्चों के सामान, कपड़े लत्ते आदि की भी समय पर व्यवस्था नहीं हो पाती थी। बहुत परेशान हो गई, बहुत भागदौड़ के बावजूद भी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा था। बच्चे को जैसे–तैसे पढ़ाकर हॉस्टल में भर्ती करवा कर अपने पैरों पर खड़े करने की चिंता थी। ऐसी स्थिति में तारा संस्थान ने संतोष कुंवर को एक हजार रु. की प्रति माह मदद देनी शुरू कर दी जिससे उन्हें काफी राहत मिली है और बच्चों की दवाई कपड़े लत्ते आदि में काफी सहारा मिल जाता है। संतोष कुंवर तारा संस्थान और उनके दानदाताओं को धन्यवाद देती है कि उन्होंने ऐसी मुसीबत में उसकी आर्थिक मदद दी और निवेदन करती है कि बच्चे बड़े होने तक कृपा जारी रखें।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता) 01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

हमारे प्रेरक / दानदाता

श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन
नि. दिल्ली

72 वर्षीय श्री राजेन्द्र कुमार जैन शालीमार बाग, दिल्ली के व्यवसायी हैं। श्री जैन नारायण सेवा संस्थान के साथ तारा संस्थान से भी पिछले 5 वर्ष से जुड़े हुए हैं। उनके अनुसार तारा संस्थान उत्कृष्ट कार्य कर रही है एवं उनके जैन ग्रुप का पूर्ण सहयोग रहेगा। श्री जैन के अनुसार निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन प्रकल्प उनके दिल के करीब है व वे प्रतिमाह 15 ऑपरेशन हेतु सहयोग करते हैं। यह पूछने पर कि संस्थान के माध्यम से अनजान लोगों की मदद कैसे करते हैं जबकि अन्य लोग तो अपनों की मदद सबसे पहले करते हैं। इस पर श्री जैन सा. का जवाब था कि कोई पराया नहीं है हम सब एक ही हैं, भारतवासी हैं। श्री राजेन्द्र कुमार जैन कहते हैं कि उन्होंने कई बार संस्थान का दौरा किया है एवं यहाँ पर समस्त लाभार्थियों तथा वृद्धाश्रमवासियों से मिलना बड़ा सुखद अनुभव होता है। वृद्धाश्रम के लिए पंखे, गीजर, कम्बल आदि की आवश्यकता हो तो हमेशा तैयार रहते हैं। साथ ही साथ उनकी सहयोगी भण्डारी ट्रांसपोर्ट कम्पनी भी वृद्धाश्रम के खाने में सहयोग कर रही है। इसके अतिरिक्त जैन सा. के पुत्र श्री शालीभद्र जैन व उनकी स्वयं की पत्नी श्रीमती राजरानी जैन के नाम से भी उदयपुर स्थिति वृद्धाश्रमवासियों के लिए भोजन करवाया जा रहा है। श्री जैन सा. ने श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में एक फ्लोर अपने माता–पिता श्री (स्व.) बी.आर. जैन सा. व श्रीमती (स्व.) नानोवती जैन के नाम समर्पित किया है। श्री जैन सा. प्रतिमाह 15 ऑपरेशन के अतिरिक्त वृद्धाश्रम भोजन सहयोग तथा काले चश्मों का सहयोग भी प्रदान करते रहते हैं। करुणाहृदय श्री राजेन्द्र कुमार जैन अन्य दानदाताओं व अपने परिचितों को तारा संस्थान से जुड़ने व दान देने हेतु सदैव प्रेरित करते रहते हैं।

श्री सतवीर सिंह जी यादव
नि. महेन्द्रगढ़

57 वर्षीय श्री सतवीर सिंह यादव, महेन्द्रगढ़ (हरि.) से हैं। उनका चावल का व्यवसाय है। वे नारायण सेवा संस्थान और तारा संस्थान की मासिक पत्रिका ''तारांशु'' के माध्यम से सम्पर्क में आए और संस्थान से जुड़ गए। उनके अनुसार तारा के सभी प्रकल्प तारीफ–ए–काबिल है पर उन्हें विधवा महिलाओं व उनके बच्चों हेतु चलाई जा रही योजनाएँ (गौरी योजना व शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल) विशेषकर अच्छी लगी। इसके अतिरिक्त वृद्धजनों को आश्रय देने का ईश्वरीय कार्य (आनन्द वृद्धाश्रम) तारा द्वारा किया जा रहा है, उससे वे अति प्रसन्न हैं। जब उन्होंने व्यक्तिगत रूप से तारा नेत्रालय व आनन्द वृद्धाश्रम का दौरा करके कार्य प्रणाली देखी तो उन्हें बहुत संतुष्टि हुई। उनका मानना है कि तारा संस्थान जो जन सेवा कार्य कर रहा है उससे सभी भली भांति परिचित हैं। श्री सतवीर सिंह यादव कहते हैं कि समस्त सक्षम लोगों को तारा संस्थान को तन, मन और धन से सहयोग करना चाहिए।

श्री देवनारायण जी पाण्डे, नि. कानपुर

79 वर्षीय श्री देवनारायण पाण्डे, निवासी कानपुर (उ.प्र.) ओ.एफ.सी. फैक्ट्री में रिटायर्ड हैं। वे उनके एक मित्र श्री गुरु प्रसाद जी के माध्यम से तारा संस्थान से जुड़े। वे तारा संस्थान के अनेक प्रकल्पों में से वृद्धाश्रम की सबसे अधिक प्रशंसा करते हैं। हालांकि उन्होंने अभी तक उदयपुर का दौरा स्वयं नहीं किया है, लेकिन उनका विश्वास है कि उनका पैसा तारा संस्थान द्वारा पुण्य कार्यों पर उपयोग में लाया जा रहा है जो एक संतोषप्रद बात है। श्री पाण्डे जी का मानना है कि दान पुण्य आदि परोपकार करना सर्वश्रेष्ठ धर्म है उससे बढ़कर कुछ और नहीं है। श्री देवनारायण पाण्डे जी सलाह है कि सब लोग आगे आकर जरूरतमंदों की अपनी क्षमतानुसार मदद करें।

श्रीमती एवं श्री चन्द्र जी आहुजा, नि. सूरत (गुज.)

79 वर्षीय श्री चन्द्र जी आहूजा, सूरत में प्लाईवूड के व्यवसायी हैं। वे लम्बे अरसे से नारायण सेवा संस्थान से जुड़े हुए थे तो वहीं से तारा संस्थान के बारे में जानकारी प्राप्त हुई तो वे तारा से भी जुड़ गए। निर्धन और जरूरतमंद लोगों के लिए तारा संस्थान के कार्यों की श्री आहूजा प्रशंसा करते हैं। वे गौरी और तृप्ति योजना को दिल के करीब मानते हैं। यह पूछने पर कि अपने लोगों की तो लोग मदद पहले करते हैं फिर आप अन्य लोगों की मदद के बारे में क्या सोचते हैं। श्री आहूजा ने उत्तर दिया कि वे तो स्थानीय गरीबों की भी मदद करते हैं पराए हुए तो क्या इंसान ही तो हैं सो मदद करने में आनन्द आता है एवं मन को शांति प्राप्त होती है। हालांकि श्री चन्द्र जी आहूजा का अभी तारा संस्थान में आना नहीं हुआ लेकिन उनकी दिली तमन्ना है कि जरूरतमंदों को किसी प्रकार की कमी न रहें इस हेतु वे सदैव तारा संस्थान को सहयोग करते रहेंगे।

हार्दिक श्रद्धांजलि

तारा संस्थान के निम्न दानदाताओं का स्वर्गवास हो गया। तारा संस्थान की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि। हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उनके परिवार को सम्बल प्रदान करें।

स्व. श्रीमती कमला शर्मा जी
जालंधर (पंजाब)
(स्वर्गवास 12 दिसम्बर, 2020)

स्व. श्रीमती धापू बाई
कोटा (राज.)
(स्वर्गवास 3 दिसम्बर, 2020)

स्व. श्रीमती संतोष तनेजा जी
गुड़गाँव
(स्वर्गवास दिसम्बर, 2020)

07.01.2021

तारा संस्थान के तारा नेत्रालय. उदयपुर में निःशुल्क रेटिना जांच शिविर का उद्घाटन राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति श्री शिवसिंह सारंगदेवोत ने किया। प्रो. सारंगदेवोत ने डॉ. आदित्य से रेटिना जांच की प्रक्रिया देखी व उपस्थित रोगियों से भी मुलाकात की।

14.01.2021

मकर सक्रांति के अवसर पर तारा संस्थान संचालित श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम व राजकीय वृद्धाश्रम उदयपुर में विभिन्न पारम्परिक आयोजन जैसे पतंगबाज़ी तथा सितोलिया खेल आदि हुए। इसके पश्चात् समस्त वृद्धजनों को सक्रांति विशेष व्यंजन व्यंजन परोसे गए।

15.01.2021

तारा संस्थान के दानदाता न सिर्फ संस्थान की विभिन्न योजनाओं में सहयोग देते हैं बल्कि अन्य प्रकार से भी मदद करते हैं जैसे पिछले दिनों भामाशाह श्रीमान रमन लाल जी गुप्ता निवासी हैदराबाद द्वारा ज़रूरतमंद लोगों हेतु कम्बल वितरण शिविर प्रायोजित किया गया।

26.01.2021

एल.आई.सी. कॉलोनी, लिंक रोड, बोरीवली (वेस्ट) में श्री पदम जैन सा. (नि. सवाई माधोपुर, हाल मुम्बई) के सौजन्य से तारा नेत्रालय द्वारा निःशुल्क नेत्र जाँच एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन चयन शिविर रखा गया। इस शिविर के साथ समारोह में 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों का सम्मान–सत्कार किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री सुनील जी गर्ग, लॉयन प्रदीप जी धानुका, मंजू जी सुनील जी गर्ग एवं पत्रकार श्री समीर जी मालपानी का विशेष योगदान रहा।

28.01.2021

चैम्बुर ट्रैफिक पुलिस स्टेशन, सुमन नगर, मुम्बई में वीर आवो अमारे साथे, मुम्बई के सौजन्य से तारा नेत्रालय द्वारा निःशुल्क नेत्र जाँच एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन चयन शिविर रखा गई जिसमें ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पी.आई. श्री संजय भालेराव के अतिरिक्त अनेक अधिकारीगण शामिल हुए उन सभी की नेत्र सम्बन्धित रोगों की जाँच की गई।

03.02.2021

तारा संस्थान द्वारा संचालित ''श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम" उदयपुर के नौ वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह में जिला कलक्टर श्री चेतन राम देवड़ा मुख्य अतिथि के रूप में पधारे।

04.02.2021

श्री रघुवीर सिंह मीणा (पूर्व सांसद–उदयपुर लोकसभा व कांग्रेस वर्किंग कमेटी सदस्य) ने अपने जन्मदिवस पर तारा संस्थान में निःशुल्क रेटिना जांच शिविर का उदघाटन किया और तारा नेत्रालय का अवलोकन कर मरीज़ों को फल वितरण किया।

अगर आप चाहते हैं कि कोई चीज अच्छे से हो तो उसे खुद कीजिये।

नेत्रालय मासिक अपडेट्स :

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी (गाजियाबाद) स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह जनवरी – 2021 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : सरोज जी डागा, मीना जी डागा, मोनोसा जी डागा एवं परिवार – गोरेगाँव (मुम्बई),

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

श्रीमती प्रेम जी निझावन – जनकपुरी (नई दिल्ली), वीर आवो अमारे साथे – मुम्बई, श्री पदम जैन – सवाई माधोपुर (राज.)
RSS जनकल्याण समिति – मीरा भाईन्दर, अमृत कलश फाउंडेशन,
अखिल भारतीय मानवधिकार संघ (ऐहरा) – मीरा भाईन्दर, लॉयन डेंटल क्लीनिक – भाईन्दर (प.)

प्रिंटेड रसीद छोड़े, वृक्ष बचाएँ

इस धरा के एक जिम्मेदार वासी होने के कारण हम सभी का उत्तरदायित्व है कि पर्यावरण रक्षा हेतु प्रयत्न करें। यदि आपको रसीद की प्रिंट नहीं चाहिए तो कृपया इस नम्बर 9549399993, 9649399993 पर सूचित करें। एक कागज बचाने से भी हम कुछ वृक्षों को बचा ही सकते हैं। आपका और हमारा छोटा सा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगा।

अपने मोबाइल से स्केन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

UPI
UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपना सहयोग भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

Our Preraks हमारे प्रेरक

Mr. Ravi Sankar Arora
H. No. 4/1461, Gali No. 2, Shalimar Park, Shahdra, Delhi-32
Mob. 9810774473

Mrs. Parmod Mehra - Mr. Amrish Mehra
Flat No. 801 A Block Platinum Height, Sec 8 Ramprastha Green Vaishali Ghaziabad (U.P.) 201010, Mob. 8368658437, 9313363757

Mrs. Kumud Sharma
B-30, Maunt Everest Society, Plot No. 17, Sec-9, Dwarka, New Delhi-77
Mob. 9810547565

Mrs. Chander Kwatra / Mrs. Durga Grover
WZ-1881, G Floor, Multani Mohlla, Rani Bagh, Near Krishna Mandir, Delhi-3
Mob. 9811387881, 8882922220

Mr. Raju Agarwal
TA-115, Okhla Main Road, Tughlakabad Extn., New Delhi-19
Mob. 7042188760, 9212116576

Mrs. Harsh Arya
A-140, G. Floor, Sarswati Vihar, Delhi-110034
Mob. 8920727218

Mr. Tej Ram Saini / Mr. Bhoop Singh Saini
Plot No. 649, Gali No. 1, Saini Vihar, Mundka, New Delhi- 110041
Mob. 9990925858, 8700460958

संबंधित क्षेत्र में सहयोग देने हेतु आप उपरोक्त फोन पर सम्पर्क कर सकते हैं।

Thanks : NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Mr. Ashok Nagpal - Mrs. Shukal Nagpal
Gurgaon

Mrs. and Mr. Rajesh Verma & Family
Alwar (Raj.)

Mrs. Praveen Gulati - Mr. Prem Gulati
Gurgaon

Mr. Rajendra - Mrs. Kusum Somiya
Dhar (MP)

Mr. Manohar Lal - Lt. Mrs. Sharda Devi
Trivedi, Dhar (M.P.)

Lt. Mr. Shyamlal - Lt. Mrs. Seeta Devi
Bansal, Ludhiana (PB)

Mr. Tejraj - Mrs. Kanchan Devi Solanki
Vijaywada (Andhra Pradesh)

Lt. Mr. Narendra Kumar - Mrs. Nirmal Jain
Delhi

Mrs. Savitri - Mr. Suresh Chandra
Ramdev, Jodhpur (Raj.)

Mr. R.K. Jain - Mrs. Santosh Jain
Chandigarh

Mr. Satish Madaan - Mrs. Kamlesh Sethi
Amritsar (PB)

Mrs. & Mr. Dattatray Nageenlal Agrawal
Paratwara (MH)

Mrs. Krishna Negi - Lt. Mr. Jai Singh Negi
Kinnour (HP)

Mr. Anand Prakash Jain - Mrs. Bina Jain
Chandigarh

Mr. Rajendra - Mrs. Mamta Taksali
Jaipur (Raj.)

Lt. Mr. Ratanlal Taksali
Jaipur (Raj.)

Lt. Late Manak Chand
Agrawal, Kota (Raj.)

Mr. Sushant Bhatt
Dhar (M.P.)

Mrs. Sudha Bhatt
Dhar (M.P.)

Mr. Prashank Bhatt
Dhar (M.P.)

Pushpa Joshi
Patiala (PB)

Lt. Mr. Hansraj Sethi
Jalandhar (PB)

Mr. R.K. Jain
Delhi

Mrs. Leela Devi
Jalandhar (PB)

Mr. Bhushan Lal Gupta
Panchkula (HR)

Mr. Prem Chand
Goyal, Rohtak (HR)

Lt. Mr. Virendra Kumar
Sharma, Mumbai

Mrs. Damyanti Devi
Jalandhar (PB)

Mr. Navneet Lal
Rastogi, Lucknow (UP)

Mr. Bhupendra Kumar
Choubisa, Dungarpur

'तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया'

श्रीमती प्रेम निझावन जी (संरक्षक, तारा संस्थान)
जनकपुरी, नई दिल्ली - 58

श्री एवं श्रीमती वर्षा जी गुप्ता
प्रयागराज (उ.प्र.)

श्रीमती नीलम गुप्ता - श्री अरविन्द कुमार गुप्ता
दिल्ली

श्रीमती एवं श्री गुरमीत सिंह सैनी
चण्डीगढ़

डॉ. डी.सी. वर्मा
पंचकुला (हरि.)

श्री अशोक जी
मुम्बई

श्री लक्ष्मी नारायण
अग्रवाल, हैदराबाद

श्री रामेश्वर लाल
हुरगट, निजामाबाद

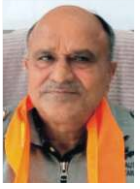

श्री पूरणमल गोयल
दिल्ली

श्री शांति लाल जी
दिल्ली

जब तक काम हो ना जाये वो असंभव लगता है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Santosh Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855751

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Dilip Kumar Choubisa
Area Ahmedabad, Ratlam
Mandsaur, Neemuch
Cell : 07821855745

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101, Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban) . . . A/c No. 004501021965 . . . . . IFSC Code : icic0000045
State Bank of India . . . . . A/c No. 31840870750 . . . . . IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank . . . . . A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank . . . . . A/c No. 912010025408491 . . . IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank . . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank . . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India . . . A/c No. 3309973967 . . . . . IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank . . A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Tara Netralaya - Udaipur
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.) 313002, Mob. No. +91 9649399993

Tara Netralaya - Delhi
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. No. +91 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (Maharashtra)
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D, N.I.T., Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad (U. P.)
Mob. No. +91 7821855750

Smt. Krishna Sharma Anand Vrudhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 9950462689

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai Show Room, South Extension, Balicha, Udaipur (Raj.) - 313001

Ravindra Nath Gaur Anand Vrudhashram - Allahabad
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad-211022 (U.P.), Phone No. 0532-2465035

Om Deep Anand Vrudhashram - Faridabad
866, Sec - 15A, Faridabad - 121007 (Haryana) Mob. No. +91 7821855758

Shikhar Bhargava Public School
H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. +91 9636016973

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, फरवरी - मार्च 2021
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छितदिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन
आजीवन सदस्य 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु.,
03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन 3500 रु. (एक समय)

'तारा' के सेवा प्रकल्पों
का कृपया टी.वी.
चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस'
रात्रि 7:40
से 8:00 बजे

'आस्था भजन'
रात्रि 8:00
से 8:20 बजे

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा :** अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) ..... A/c No. 004501021965..... IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India ..... A/c No. 31840870750 ..... IFSC Code : SBIN0011406
Axis Bank ..... A/c No. 912010025408491..... IFSC Code : UTIB0000097
HDFC ..... A/c No. 12731450000426 ..... IFSC Code : HDFC0001273
Punjab Nationa Bank ..... A/c No. 8743000100004834 ..... IFSC Code : PUNB0874300
PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

बुक पोस्ट

TARA SANSTHAN
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. नं. : +91 95493 99993, +91 96493 99993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org